भारत सरकार
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2699
उत्तर देने की तारीख 09 मार्च, 2026
सोमवार, 18 फाल्गुन, 1947 (शक)

पेट्रोकेमिकल निवेश क्षेत्र

2699. डॉ. दग्गुबाती पुरंदेश्वरीः

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) काकीनाडा/विशाखापट्टनम में आगामी पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोरसायन निवेश क्षेत्र (पीसीपीआईआर) की मांग को पूरा करने के लिए आन्ध्र प्रदेश के युवाओं के लिए चलाए गए कौशल विकास कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) राज्य में सीआईपीईटी (सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) केन्द्रों के साथ सहयोग की स्थिति क्या है;

(ग) सरकार द्वारा गोदावरी बेसिन में तेल और गैस क्षेत्र के लिए विशेष कौशल केन्द्रों की स्थापना करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं;

(घ) इन विशिष्ट पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की नियुक्ति दर का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार की प्रमुख औद्योगिक परियोजनाओं में स्थानीय कार्यबल का रोजगार सुनिश्चित करने के लिए उनके कौशल में वृद्धि करने की कोई योजना है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (घ): भारत सरकार के कौशल भारत मिशन (सिम) के अंतर्गत कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) प्रमुख योजनाओं जैसे प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना (एनएपीएस) के अंतर्गत कौशल विकास केंद्रों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से और औद्योगिक प्रशिक्षण

संस्थानों (आईटीआई) द्वारा शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के जरिए आंध्र प्रदेश सहित देश भर के समाज के सभी वर्गों को कौशल, पुनर्कौशलीकरण और कौशलोन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करता है। कौशल भारत मिशन (सिम) का उद्देश्य भारत के युवाओं को उद्योग से संबंधित कौशलों से उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना है। पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में इन पहलों में से कुछ निम्नलिखित हैं:

1. **प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई)** के तहत, आंध्र प्रदेश में पेट्रोकेमिकल और तेल एवं गैस इको-सिस्टम से जुड़े क्षेत्रों में कौशल विकास कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से एनएसक्यूएफ (नेशनल स्किल क्वालिटी सर्टिफिकेट) के अनुरूप योग्यता पैकेजों द्वारा कार्यबल का कौशलीकरण किया जा रहा है। हाइड्रोकार्बन सेक्टर स्किल काउंसिल के अंतर्गत आयोजित कुछ प्रशिक्षणों में फायर सेफ्टी टेक्नीशियन (तेल एवं गैस), औद्योगिक इलेक्ट्रीशियन, औद्योगिक वेल्डर, पाइप फिटर, एलपीजी डिलीवरी कर्मी, रिटेल आउटलेट अटेंडेंट और टैंक लॉरी ड्राइवर और अन्य के लिए प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। ये कार्यक्रम काकीनाडा और विशाखापत्तनम के आगामी पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोकेमिकल निवेश क्षेत्र (पीसीपीआईआर) में पेट्रोकेमिकल, तेल एवं गैस और संबद्ध उद्योगों की जनशक्ति आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत योजना में एक डीलिंकिंग दृष्टिकोण को अपनाया गया है, जिससे राज्य कौशल विकास मिशनों के माध्यम से मांग-आधारित, जिला-स्तरीय योजना बनाना संभव हो गया है।

2. **सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी** (सीआईपीईटी), विजयवाड़ा, राज्य में पेट्रोकेमिकल, प्लास्टिक प्रसंस्करण, डाउनस्ट्रीम पॉलिमर और संबद्ध उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप शैक्षणिक और कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। यह कार्यक्रम आंध्र प्रदेश राज्य कौशल विकास निगम (एपीएसएसडीसी), आंध्र प्रदेश अनुसूचित जाति सहकारी वित्त निगम लिमिटेड (एपीएससीसीएफसी), नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन (एनटीपीसी), सिम्हाद्री और गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (जीएआईएल), राजामुंद्री जैसी राज्य सरकारी एजेंसियों के सहयोग से चलाया जा रहा है।

3. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने **हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड** (एचपीसीएल) के माध्यम से विशाखापत्तनम में कौशल विकास संस्थान (एसडीआई) की स्थापना की है, जो हाइड्रोकार्बन सेक्टर स्किल काउंसिल (एचएसएससी) के तहत लगातार व्यावसायिक और कौशल विकास कार्यक्रम चला रहा है, जिसमें अन्य बातों के अलावा पेट्रोकेमिकल्स सहित हाइड्रोकार्बन में प्रशिक्षण शामिल है।

(ङ) इसके अलावा प्रमुख औद्योगिक परियोजनाओं में, स्थानीय कार्यबल की कौशलीकरण आवश्यकताओं को पूरा करने, कौशलीकरण की गुणवत्ता में सुधार करने, प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बाजार की जरूरतों के अनुरूप बनाने और प्रशिक्षुओं की रोजगार क्षमता में सुधार करने के लिए, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा कुछ निम्नलिखित विशिष्ट कदम उठाए गए हैं:

i. एमएसडीई की योजनाओं के तहत कराए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम बाजार की मांगों को ध्यान में रखते हुए उद्योगों के सहयोग से तैयार किए जाते हैं।

ii. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0 के तहत, उद्योग 4.0 की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले भविष्य के लिए तैयार जॉब रोल्स ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स, मेकाट्रॉनिक्स आदि जैसे उभरते क्षेत्रों और को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही, आईटीआई में शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के तहत, उभरती प्रौद्योगिकियों में भावी जॉब रोल्स की मांग को पूरा करने के लिए नए युग के पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं।

iii. राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) की स्थापना तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण (टीवीईटी) क्षेत्र में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियम और मानक स्थापित करने वाले एक व्यापक नियामक निकाय के रूप में की गई है। एनसीवीईटी द्वारा मान्यता प्राप्त अवार्डिंग बॉडीज को उद्योग की मांग के अनुसार योग्यताएं विकसित करनी होती हैं और उद्योग से मान्यता प्राप्त करनी होती है।

iv. प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) फ्लेक्सी एमओयू योजना और दोहरी प्रशिक्षण प्रणाली के माध्यम से आईटीआई छात्रों के लिए उद्योग-संबंधित प्रशिक्षण को सशक्त बना रहा है, और उद्योग के संपर्क और प्रासंगिक कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए सीएसआर पहलों के तहत आईबीएम, सिस्को, बजाज ऑटो लिमिटेड, फ्यूचर स्किल राइट्स नेटवर्क, एडब्ल्यूएस और माइक्रोसॉफ्ट जैसी अग्रणी तकनीकी कंपनियों के साथ साझेदारी कर रहा है।

v. राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप पाठ्यक्रमों में ऑन जॉब ट्रेनिंग (ओजेटी) और रोजगार कौशलों के घटक भी शामिल होते हैं।

vi. एनएपीएस के तहत, शिक्षुता प्रशिक्षण और शिक्षुता कार्यक्रमों को संचालित करने के लिए औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ जुड़ाव बढ़ाने को बढ़ावा दिया जाता है।

vii. राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) और प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीओटी) के माध्यम से प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण।

viii. स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) पोर्टल को कौशलीकरण, रोजगार और उद्यमशीलता इको सिस्टम के लिए एक डिजिटल सार्वजनिक अवसरंचना के रूप में स्थापित किया गया है।

ix. प्रधान मंत्री स्किलिंग एंड इम्प्लोयएबिलिटि थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई (पीएम-सेतु) योजना हब (200)-स्पोक (800) मॉडल के माध्यम से 1,000 आईटीआई के उन्नयन पर विशेष ध्यान दिया गया है।

*****